United an Isiusi The Gazette of India

> धसामारण EXTRAORDINARY

भाग  $\Pi$ —-वण्ड 3—-उपवण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (41)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

र्स∙ 529

नई विल्ली, मंगलवार, बिसम्बर 31, 1974/पौष 10, 1896

No. 529]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 31, 1974/PAUSA 10, 1896

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या बी जाती है जिससे कि यह झलन संकलन के रूप में रक्षा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES

(Department of Heavy Industry)

ORDER

New Delhi, the 31st December 1974

- S.O. 746(E).—In exercise of the powers conferred by Section 18G of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Motor Cars (Distribution and Sale) Control Order, 1959, namely:—
- 1. (1) This order may be called the Motor Cars (Distribution and Sale) Control (Fourth Amendment Order, 1974.
  - (2) It shall come into force on the 1st day of January, 1975.
- 2. In clause 2 of the Motor Cars (Distribution and Sale) Control order, 1959 (hereinafter referred to as the said order), for items (b), (c) and (d), the following items shall be substituted, namely:—
  - (b) "dealer" means a dealer or a sub-dealer in the motor car, and includes an agent appointed by the manufacturer for the sale of motor cars;
  - (c) "manufacturer" means the manufacturer specified in Schedule I;
  - (d) "motor car" means the motor car of the description specified in Schedule I, manufactured or assembled in India, or manufactured in India from components imported into India or manufactured in India or partly imported and partly manufactured in India, and includes every motor car of such description, whether called a station wagon, utility type passenger car or by any other name;

- 3. In clause 3 of the said order:-
  - (i) in item (a), the words "or for different descriptions of motor cars" shall be omitted;
  - (ii) in item (b), for the words "a manufacturer", the words "the manufacturer" shall be substituted.
- 4. In clause 4 of the said Order, for the words "any description of motor cars", the words "any motor car" shall be substituted.
  - 5. Clauses 4A, 4B and 4C of the said Order shall be omitted.
- 6. In clause 9 of the said Order, for the words "Every manufacturer", in both the places where they occur, the words "The manufacturer" shall be substituted.
- 7. For Schedule I to the said Order, the following Schedule shall be substituted, namely:—

## "Schedule I

See clauses 2(c) and 2(d)

Name of the manufacturer	Description of Motor Car
M/s. Premier Automobiles Limited, Construction House, Ballard Estate,	Premier President'
Bombay.	-

INo. F. 5(39)/74-AEI(I)]
N. J. KAMATH, Addl. Socy,

# उद्योग घोर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भारी उद्योग विभाग)

#### ग्रादेश

### नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1974

का॰ ग्रा॰ 746(ग्र) — केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रौर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65)की धारा 18छ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मोटर कार (वितरण श्रौर विकय) नियंत्रण श्रादेण, 1959 में श्रौर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित श्रादेण करती है, श्रयंत :—

- (1) इस घ्रादेण का नाम मोटर कार (वितरण ग्रीर विक्रप) नियंत्रण (चतुर्थ संगोधन)
   श्रादेश, 1974 है।
  - (2) यह 1 जनवरी, 1975 को प्रवृत्त होगा।
- 2. मोटर कार (वितरण श्रौर विकय) नियंत्रण श्रादेण, 1959 (जिसे इस में इसके पण्चात् उक्त श्रादेण कहा गया है) के खण्ड 2 में मद (ख), (ग) श्रौर (घ) के स्थान पर निम्नलिखिन मदें रखी जाएंगी, श्रर्थात :--
  - (ख) "ब्यवहारी" में मोटर कार का कोई व्यवहारी या उप-व्यवहारी ग्रभिप्रेत है भीर इसके श्रन्तर्गत मोटर कारों के विकय के लिए विनिर्माता द्वारा नियुक्त श्रभिकर्ताः भी श्राता है;

- $(\eta)$  "विनिर्माता" से श्रनसूची I में विनिर्धिष्ट विनिर्माता श्रभिप्रेन है ;
- (घ) "मोटर कार" मे श्रनसूची I में विनिर्दिष्ट प्रकार की कोई ऐसी मोटर कार श्रभिप्रेत है, जिसका विनिर्माण या सम्मुच्चय भारत में किया गया हो या भारत में श्रायातित या विनिर्मित घटकों से या श्रंशतः श्रायातित श्रीप श्रंशतः भारत में विनिर्मित घटकों से विनिर्माण किया गया हो, श्रौर उसके श्रन्तर्गत ऐसे किस्म की प्रत्येक मोटर कार भी श्राती है जिसे स्टेशन वैंगन कहा जाए या उपयोगी किस्म की यावी-कार या कुछ श्रौर नाम दिया जाए;
- 3. उक्त भ्रादेश के खण्ड 3 में:---
  - (i) मद (क) में, "या विभिन्न प्रकार की मोटरकारों के लिए" णब्दों का लोप कर दिया जाएगा ।
  - (ii) मद (ख) में, "किसी विनिर्माता", शब्दों के स्थान पर "विनिर्माता", शब्द रखा जाएगा।
- 4. उक्त आदेश के खण्ड 4 में, "किसी प्रकार की मोटर कार", शब्दों के स्थान पर, "कोई मोटर कार" शब्द रखे आएंगे।
  - 5, उक्त क्रावेश के खण्ड 4क, 4ख श्रीर 4ग खण्डों का लोग कर दिया जाएगा।
- छन्त भादेश के खण्ड 9 में, ''प्रत्येक विनिर्माता", शब्दों के स्थान पर, दोनों स्थानों पर जहां भी वे श्राए हैं, ''विनिर्माता", शब्द रखा जाएगा।
  - 7. उक्त प्रादेश की प्रनसूची ] के स्थान पर निम्नलिखित अनसूची रखी जाएगी, प्रयात :---

### "ग्रनसूची।

[खण्ड 2 (ग) भ्रौर 2 (घ) देखिए]

> [सं० फा॰ 5(39)/74-ए  $\frac{1}{5}/(I)$ ] एन॰ जे॰ कामत, ग्रपर मचिय, I

